

श्राद्ध महालय 2025

<https://www.facebook.com/essenceofastro>

"महालये तु प्रारंभे पितरः आगच्छन्ति वै। तर्पणेन तुष्टिभूते प्रयान्ति ते धाम स्वर्क॥"

अर्थात् महालय प्रारंभ होते ही, (आश्विन कृष्णपक्ष) पितर अवश्य ही मृत्युलोक में अपने वंशजों को देखने के लिए आते हैं, और तर्पण से प्रसन्न होकर पुनः अपने निज धाम को लौट जाते हैं। <fb.com/essenceofastro>

"कुतुपकाल में किया पितृकर्म अक्षय होता है

दिन का आठवाँ मुहूर्त (48 मिनट) कुतुपकाल कहलाता है जो दोपहर को 12 बजे के आसपास आता है। उपर्युक्त श्राद्ध तिथि गणना में यही नियम लिया गया है अतः पञ्चाङ्ग में सूर्योदयकालीन तिथि देखकर प्रमित न हों तथा सही दिन का चयन करें।"

दिनांक	वार	कुतुपकाल	तिथि श्राद्ध	विशेष
07 सितम्बर 2025	रविवार	11:53 से 12:43	पूर्णमा श्राद्ध	प्रौष्ठपदीश्राद्ध चौथी पीढ़ी से लेकर छठी पीढ़ी के पूर्वजों (सत्य, वसु विश्वेदेव) का श्राद्ध
08 सितम्बर 2025	सोमवार	11:53 से 12:43	प्रतिपदा श्राद्ध	पितृपक्ष प्रारम्भ
09 सितम्बर 2025	मंगलवार	11:52 से 12:42	द्वितीया श्राद्ध	fb.com/essenceofastro
10 सितम्बर 2025	बुधवार	11:52 से 12:42	तृतीया श्राद्ध	संकष्टी चतुर्थी व्रत
11 सितम्बर 2025	गुरुवार	11:52 से 12:41	चतुर्थी श्राद्ध पञ्चमी श्राद्ध	चतुर्थी तिथि 12:45 तक तत्पश्चात् पंचमी तिथि। 12 सितम्बर को पंचमी तिथि केवल 09:58 तक अतः आज ही पंचमी श्राद्ध संपन्न होगा। महाभरणी श्राद्ध (13:59 से भरणी नक्षत्र आरम्भ) "भरणी पितृपक्षे तु महती परिकीर्तिता। अस्यां श्राद्ध कृतं येन स गयाश्राद्धकरुद्रवेत" महालय में भरणी में श्राद्ध अत्यंत श्रेष्ठ है। इसमें जिसने श्राद्ध किया वह गयाश्राद्ध के तुल्य होता है। अविवाहित श्राद्ध
12 सितम्बर 2025	शुक्रवार	11:51 से 12:41	षष्ठी श्राद्ध	षष्ठी तिथि 09:59 से आरंभ
महालय श्राद्ध अपने घर पर करें। कभी भी दूसरे की भूमि पर नहीं करें। अगर करना परम आवश्यक हो तो भूमि का शुल्क किराया जरूर देना चाहिए। fb.com/essenceofastro				
अशक्ति में श्राद्ध कैसे करायें - सरकारी नौकरी में या छुट्टी न मिलनेकी स्थितिमें, कारागार में रहने पर, रोग से ग्रस्त रहने पर या अन्य किसी भी अवरोध के होने पर सुयोग्य ब्राह्मण को संकल्प पूर्वक धन दे कर श्राद्ध कराना चाहिए				
श्राद्ध की शास्त्रोक्त जानकारी ज्ञात करने के लिए हमारा पेज लाइक फॉलो जरूर करें https://www.facebook.com/essenceofastro				
13 सितम्बर 2025	शनिवार	11:51 से 12:41	सप्तमी श्राद्ध	सप्तमी तिथि 07:24 से
14 सितम्बर 2025	रविवार	11:51 से 12:40	अष्टमी श्राद्ध	fb.com/essenceofastro
15 सितम्बर 2025	सोमवार	11:50 से 12:40	नवमी श्राद्ध	सौभाग्यवती श्राद्ध, व्यतीपात योग
16 सितम्बर 2025	मंगलवार	11:50 से 12:40	दशमी श्राद्ध	
17 सितम्बर 2025	बुधवार	11:50 से 12:39	एकादशी श्राद्ध	कन्या संक्रान्ति एकादशी में महालय श्राद्धकर्म का निषेध नहीं है। कुछ व्यक्ति ज्ञान के अभाव में भ्रम फैलाते हैं कि एकादशी को श्राद्ध नहीं करना चाहिए।
18 सितम्बर 2025	गुरुवार	11:50 से 12:39	द्वादशी श्राद्ध	सन्यासी का श्राद्ध (सपिण्ड अपराह्न में) यतीनां च वनस्थानां वैष्णवानां विशेषतः । द्वादश्यां विहितं श्राद्धं कृष्णपक्षे विशेषतः ॥
19 सितम्बर 2025	शुक्रवार	11:49 से 12:38	त्रयोदशी श्राद्ध	मघा श्राद्ध मघा नक्षत्र पितरों को अभीष्ट सिद्धि देनेवाला है अतः उक्त नक्षत्र के दिन किया गया श्राद्ध अक्षय कहा गया है
20 सितम्बर 2025	शनिवार	11:49 से 12:38	अपमृत्यु श्राद्ध	केवल शस्त्र विष दुर्घटना आदि से मृत व्यक्ति का एकोदित् विधि से। चतुर्दशी तिथि में मृत्यु वाले व्यक्ति का श्राद्ध अमावस्या को
21 सितम्बर 2025	रविवार	11:49 से 12:37	सर्वपितृ अमावस्या	सभी ज्ञात-अज्ञात पितरों का, चतुर्दशी तिथि में मृत्यु वाले व्यक्ति का

Essence Of Astrology

सुमंतुरक्षि कहते हैं **"श्राद्धात् परतरं नान्यत् श्रेयस्करमुदाहृतम्"** अर्थात् श्राद्ध से अधिक श्रेयस्कर अन्य कुछ नहीं। इसीलिए विवेकी मनुष्य श्राद्ध करने से कभी टालमटोल न करें।

श्राद्ध के द्वारा प्रसन्न हुए पितृगण मनुष्यों को पुत्र, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, लौकिक सुख, मोक्ष तथा स्वर्ग आदि प्रदान करते हैं